SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY

GODHARA

U.G COURSES IN HINDI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

[COURSE: B.A. SEMESTER – IV]

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर - IV

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठयकम का प्रारूप एवं संरचना

वर्ष – २०१७- १८

BY

SYLLABUS COMMITTEE – HINDI

सेमेस्टर- **IV (द्वितीय वर्ष बी.ए)**

COURSES: (प्रश्नपत्र) **CREDIT- 4**

CORE HIN 211 (मुख्य) मध्यकालीन कविता

CORE HIN 212 (मुख्य) निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

CORE HIN 213 (मुख्य) हिन्दी साहित्य का इतिहास –सगुण भक्तिकाल एवं रीतिकाल

ELECTIVE-I HIN 211 (गौण) मध्यकालीन कविता

ELECTIVE-I HIN 212 (गौण) निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर – **IV**

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठयक्रम का प्रारूप एवं संरचना

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

211 मध्यकालीन कविता [Core course & Elective-I- CREDIT- 4]

पाठ्यपुस्तक :- प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य

संपादक :- डॉ.वीरेन्द्रनारायण सिंह, धूमिल प्रकाशन,अहमदाबाद

युनिट	पाठ्यक्रम
१	**१ कबीर**
	गुरुदेव कौ अंग विरह कौ अंग माया कौ अंग कथनी बिना करणीं कौ अंग निंद्या कौ अंग
	२ जायसी
	नागमती वियोग खंड- १ से १७
२	**१ सूरदास**
	सगुणोपासना- पद- २ श्रीकृष्ण जन्म- पद – ४,५,,६,८ राधा-कृष्ण – पद - ९ विरह-वियोग- पद -१२,१३,१४,१५,१६,१७
	२ तुलसीदास
	बाललीला वनमार्ग में राम-लक्ष्मण-सीता
३	**१ मीराँबाई**
	विरोध- पद- १६,१७ उपालंभ विरह यातना
	२ बिहारी
	रूप-वर्णन विरह

४	**१ घनानंद**
	कवित्त- ३,४ सवैया- १८,१९,२०,२१
	२ रहीम
	दोहा संख्या १ से ११

संदर्भ ग्रंथ :

१ कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

२ कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

३ जायसी का पदमावत : काव्य तथा दर्शन – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत

४ जायसी एक अध्ययन – डॉ.रणधीर श्रीवास्तव

५ पदमावत का अनुशीलन – डॉ. इन्द्रचंद्र नारद

६ सूर का भ्रमरगीत – डॉ.पुरूषोत्तम बाजपेयी

७ सूरदास और उनका भ्रमरगीत – प्रो.रामकुमार शर्मा

८ तुलसी एक अध्ययन – डॉ. रामप्रसाद मिश्र

९ गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ.रमेशचंद्र शर्मा

१० मध्ययुगीन काव्य के आधार स्तंभ – डॉ. तेजपाल चौधरी

११ भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार – डॉ. विष्णुदास वैष्णव

१२ मीराँ का व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ.संजय मल्होत्रा

१३ मीराँबाइ का जीवनवृत्त एवं काव्य – डॉ. कल्यापसिंह शेखावत

१४ मीराँ का रचना संसार – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

१५हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारीका प्रसाद सक्सेना

१६ घनानंद कवित्त – डॉ. पारसनाथ तिवारी

१७ घनानंद का साहित्यक अवदान – डॉ.हनुमंत रणखांबे

१८ रहीम और उनका काव्य – डॉ. देशराजसिंह भाटी

212 निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

[Core course & Elective-I- CREDIT- 4]

युनिट	पाठ्यक्रम	
१	**निबंधः**	
	१	साहित्य का स्वरूप – रामचंद्र शुक्ल
	२	साहित्य और जीवन – नन्द दुलारे बाजपेयी
२	**निबंध**	
	१	नाखून क्यों बढते है ? -हजारी प्रसाद द्विवेदी
	२	मेरा गॉव - घर – विद्यानिवास मिश्र
३	**रेखाचित्र और संस्मरण**	
	१	गोरा – महादेवी वर्मा
	२	महाकवि जयशंकर प्रसाद – शिवपूजन सहाय
४	**व्यंग्य**	
	१	भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
	२	अतिथि! तुम कब जाओंगे - शरद जोशी

संदर्भ ग्रंथ :

१ आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य – हरदयाल

२ साहित्य में गद्य की नई विधाएँ - कैलाशचंन्द्र भाटीया

३ हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंन्द्र तिवारी

४ हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार - द्वारीका प्रसाद सक्सेना

५ हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ – डॉ.हरिमोहन

६ विद्यानिवास मिश्र का निबंधालोक - डॉ. दिलीप देशमुख

७ छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

८ हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास – डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी

९ हिन्दी व्यंग्य विधाः शास्त्र और इतिहास – डॉ. बापूराव देसाइ

१० हरिशंकर परसाई के व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि – प्रो.राधेमोहन शर्मा

११ हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग चेतना - कु. आभा भट्ट

१२ हिन्दी रेखाचित्र – डॉ. हरवंशलाल शर्मा

१३ महादेवी का गद्य साहित्य – माखनलाल शर्मा

१४ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - चोथीराम यादव

१५ रामचंन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना –डॉ.रामविलास शर्मा

१६ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदीजी के उपन्यासों का अनुशीलन – डॉ.धनंजय चौहान

213 हिन्दी साहित्य का इतिहास –सगुण भक्तिकाल एवं रीतिकाल

[Core course- CREDIT- 4]

युनिट	पाठ्यकम
१	**भक्तिकाल**
	भक्तिकाल की परिस्थितियाँ वैष्णव भक्ति के प्रतिष्ठापक प्रमुख आचार्य सगुण भक्ति की विशेषताएँ
२	**रामभक्ति शाखा**
	रामभक्ति का स्वरूप रामभक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ रामभक्ति काव्य के प्रमुख कवि एवं कृति - तुलसीदास कवितावली
३	**कृष्णभक्तिशाखा**
	कृष्णभक्ति काव्य का स्वरूप कृष्णभक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ अष्टछाप का परिचय कृष्णभक्ति काव्य के प्रमुख कवि एवं प्रमुख कृति – -सूरदास -भँवरगीत (नंददास)

४	**रीतिकाल**
	रीतिकाल का नामकरण और परिस्थितियाँ रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ- रीतिबद्ध,रीतिमुक्त रीतिकाल के प्रमुख कवि और कृति - बिहारी, घनानंद कवित्त (घनानंद)

संदर्भ ग्रंथ :

१ हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंन्द्र शुक्ल
२ हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
३ हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
४ हिन्दी साहित्य इतिहास – सं.डॉ.नगेन्द्र
५ हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
६ हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
७ हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
८ हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा
९ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चनसिह
१० तुलसी एक अध्ययन – डॉ.रामप्रसाद मिश्र
११ सूरदास और उनका भ्रमरगीत – प्रो.रामकुमार शर्मा
१२ मीराँ का रचना संसार – डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
१३ गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
१४ जायसी का पदमावत : काव्य तथा दर्शन – डॉ.गोविन्द त्रिगुणायत